अपठित गद्यांश कक्षा 5 अभ्यास कार्य

आजादी इंसान का जन्म सिद्ध अधिकार है| पशु-पक्षी भी गुलाम नहीं रहना चाहते| गुलाम होकर इंसान मन और शरीर से कमजोर हो जाता है| उसकी फैसला करने की ताकत नहीं रहती| गुलामी से मिलने वाले सारे आराम छोड़कर इंसान आजादी की तकलीफ सहने को तैयार हो जाता है| गुलामों की अपनी पहचान नहीं रहती| उसकी अच्छाइयों की कीमत नहीं होती| उसके साथ जानवरों जैसा बर्ताव किया जाता है| इसलिए गुलामी की जिंदगी जीने वाले हमेशा से आज़ाद होने के लिए लड़ते आ रहे हैं|

प्रश्न 1 इंसान का जन्मसिद्ध अधिकार है ?

गुलामी

नौकरी

आजादी

प्रश्न 2 कौन गुलाम नहीं रहना चाहते ?

बच्चे

पशु पक्षी

पेड़ पौधे

प्रश्न 3 इंसान कब कमजोर हो जाता है ?

गुलाम होकर

मालिक बनकर

आजाद होकर

प्रश्न 4 गुलामों के साथ कैसा बर्ताव किया जाता है ?

राजा जैसा

नवाबों जैसा

जानवरों जैसा

प्रश्न 5 'पक्षी' कौन सी संज्ञा है ?

व्यक्तिवाचक संज्ञा

जातिवाचक संज्ञा

भाववाचक संज्ञा

LIVEWORKSHEETS